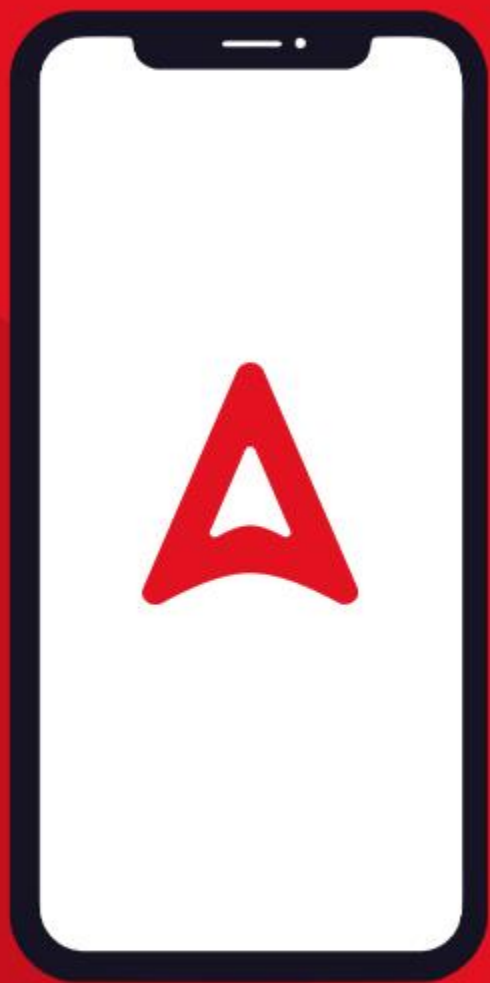


WELCOME
TO Adda247

APP FEATURES



Download Now
Adda247 APP



Premium Study Material



Current Affairs



Job Alerts



Daily Quizzes



Subject-wise Quizzes



Magazines



Power Capsule



Notes & Articles



Videos

BILINGUAL



WARRIOR 3.0

CISF Constable Fireman 2022

Complete Batch

Starts Nov 8, 2022

9 AM to 6 PM

BILINGUAL



LAKSHYA 3.0

BSF Head Constable 2022

Complete Batch

Starts Nov 8, 2022

9 AM to 6 PM

LIVE

Class Timing - 1 to 2 PM

Use Code for Discount : Y387

Adda247

सां०धि

संधि

परिभाषा- मेल या जोड़ । जब दो शब्दों में दो वर्णों के पास-पास होने से दोनों का मेल हो जाता है, तब बोलते समय उन्हें अलग-अलग न बोल कर बल्कि उसका उच्चारण एक साथ हो जाता है । यही मेल संधि कहलाता है, अर्थात् दो वर्णों के मेल से होने वाले विकार (परिवर्तन) को संधि कहा जाता है ।

उदाहरण -

धर्म+अर्थ	= धर्मार्थ
सुर+इंद्र	= सुरेन्द्र
स्व+ अर्थ	= स्वार्थ

संधि के भेद

स्वर संधि

स्वर + स्वर

व्यंजन संधि

स्वर + व्यंजन
व्यंजन + स्वर
व्यंजन + व्यंजन

विसर्ग संधि

विसर्ग + स्वर
विसर्ग + व्यंजन

स्वर संधि

परिभाषा- दो स्वरों का आपस में मेल होने पर उनमें जो परिवर्तन आता है, वह स्वर संधि कहलाता है, जैसे-

नर + ईश = नरेश

अति + अधिक = अत्यधिक

संधि के भेद

दीर्घ

गुण

वृद्धि

यण्

अयादि

दीर्घ संधि

परिभाषा - जब दो ह्रस्व या दीर्घ स्वर मिलकर दीर्घ स्वर बनाते हैं तो ऐसी संधि दीर्घ संधि कहलाती है ।

नियम-

अ + अ = आ	इ + इ = ई	उ + उ = ऊ
अ + आ = आ	ई + ई = ई	ऊ + ऊ = ऊ
आ + अ = आ	ई + इ = ई	ऊ + उ = ऊ
आ + आ = आ	इ + ई = ई	ऊ + उ = ऊ

परम + अणु =

शरण + अर्थ =

पीत + अम्बर =

देव + आलय =

देव + आगमन =

रवि + इंद्र =

अभि + इष्ट =

कपि + ईश =

रजनी + ईश =

भानु + उदय =

गुरु + उपदेश =

सु + उक्ति =

वधु + उत्सव

गुण संधि

नियम -

- अ / आ + इ / ई = ए
- अ / आ + उ / ऊ = ओ
- अ / आ + ऋ = अर्

नर + इंद्र =

सुर + इंद्र =

महा + इंद्र =

यथा + इष्ट =

वीर + उचित =

मानव + उचित =

पर + उपकार =

सोम + ईश =

रमा + इंद्र =

पुष्प + इंद्र =

परम + ईश्वर =

महा + ईश्वर =

महा + उदय =

गंगा + उदय =

महा + उष्ण =

सप्त + ऋषि =

देव + ऋषि =

दया + ऊर्मि =

राज + ऋषि =

ब्रह्म + ऋषि =

वृद्धि संधि

नियम -

- अ / आ + ए / ऐ = ऐ
- अ / आ + ओ / औ = औ

एक + एक =

लोक + एषण =

मत + ऐक्य =

धन + ऐश्वर्य =

सदा + एव =

तथा + एव =

महा + ऐश्वर्य =

तन + औषधि =

परम + औदार्य =

महा + ओजस्वी =

यण संधि

नियम -

- इ / ई + कोई भिन्न स्वर = य
- उ / ऊ + कोई भिन्न स्वर = व
- ऋ + कोई भिन्न स्वर = र्

अति + अधिक =

यदि + अपि =

अति + अंत =

वि + आप =

अभि + आगत =

उपरि + उक्त =

अति + उत्तम =

प्रति + उपकार =

नि + ऊन =

वि + ऊह =

प्रति + एक =

देवी + आगमन =

अधि + एषणा =

अधि + आदेश =

सखी + ऐश्वर्य =

नदी + एश्वर्य =

सु + अच्छ =

अनु + अय =

सु + आगत =

मधु + आलय =

अनु + इति =

प्रभु + एषणा =

अनु + एषणा =

गुरु + ओदन =

वधु+ आगमन =

भू + आदि =

पितृ + अनुमति =

पितृ+ अर्पण =

मातृ + आदि =

मातृ + अनुमति =

व्यंजन संधि

किसी व्यंजन का स्वर अथवा व्यंजन से मेल होने पर जो विकार (परिवर्तन) उत्पन्न होता है, वह व्यंजन संधि कहलाता है।

जैसे :

- (पहचान)
1. (हल वाला चिन्ह होगा)
 2. (शब्द बदल जाएगा)

नोट : (व्यंजन का शुद्ध रूप हल वाला रूप होता है)



Class Timing - 1 to 2 PM

Use Code for Discount : Y387

Adda247

नियम :

1. यदि वर्ग के पहले का तीसरे वर्ण में परिवर्तन :-

किसी वर्ग के पहले वर्ण (क्, च्, ट्, त्, प्) का मेल किसी स्वर अथवा किसी वर्ग के तीसरे वर्ण (ग्, ज्, ड्, द्, ब्) या चौथे-वर्ण (घ्, झ्, ढ्, ध्) अथवा अतःस्थ व्यंजन (य, र, ल, व) के किसी वर्ण से होने पर वर्ग का पहला वर्ण अपने ही वर्ग के तीसरे वर्ण में परिवर्तित हो जाता है।

Rule :-

क्	/	च्	/	ट्	/	त्	/	प्	+ स्वर / तीसरा / चौथा / अतःस्थ)
↓		↓		↓		↓		↓	
ग्	/	ज्	/	ड्	/	द्	/	ब्	+ स्वर / तीसरा / चौथा / अतःस्थ)

Ex :-

दिक् + गज

दि + ग् + गज = दिग्गज



Class Timing - 1 to 2 PM

Use Code for Discount : Y387

Adda247

1.

दिक् + अंत

2.

दिक् + विजय

3.

वाक् + ईश

4.

अच् + अंत

5.

अच् + आदि

6.

षट् + आनन

7.**षट् + रिपु****8.****भगवत् + भजन****9.****उत् + योग**

10.

सत् + भावना

11.

सत् + गुण

12.

अप् + ज

13.

अप् + धि

8.

सुप् + अंत

नियम :

2. वर्ग के पहले वर्ण का पाँचवें में परिवर्तन :-

यदि किसी वर्ग के पहले वर्ण (क् + च् + ट् + त् + प्) का मेल किसी अनुनासिक वर्ण या पंचमाक्षर (वस्तुतः न, म) से हो तो उसके स्थान पर उसी वर्ग पाँचवां वर्ण (ङ्, ञ्, ण्, न्, म्) हो जाता है जैसे।

Rule :-

क्	/	च्	/	ट्	/	त्	/	प्	+ पंचमाक्षर/अनुनासिक (न्/म)
↓		↓		↓		↓		↓	
ङ्	/	ञ्	/	ण्	/	न्	/	म्	+ पंचमाक्षर/अनुनासिक (न्/म)

1.

वाक् + मय

2.

षट् + मुख

3.

उत + मन्त

4.

तत् + मय

5.

चित् + मय

6.

जगत् + नाथ

नियम :

3. छ संबंधी नियम :-

किसी भी ह्रस्व स्वर या आ का मेल छ से होने पर 'छ' से पहले 'च्' जोड़ दिया जाता है।

Rule :-

अ / इ / उ / आ / छ

अ् / इ् / उ् / आ् / च् + छ

1.

स्व + छंद

2.

परि + छेद

3.

अनु + छेद

4.

वि + छेद

त् व्यंजन के नियम

1. नियम त् + च/छ च् + च/छ	2. नियम त् + ज/झ ज् + ज/झ	3. नियम त् + ट, ड ट् + ड् + ट, ड
1. उत् + चारण उ + च् + चारण (उच्चारण)	1. सत् + जन स + ज् + जन (सज्जन)	1. बृहत + टीका बृह + ट् + टीका (बृहट्टीका)
2. उत् + चरित उ + च् + चरित (उच्चरित)	2. विपत् + जाल विप + ज् + जाल (विपज्जाल)	2. उत् + डयन उ + ड् + डयन (उड्डयन)
3. जगत + छाया जग + च् + छाया (जगच्छाया)	3. उत् + ज्वल उ + ज् + ज्वल (उज्ज्वल)	
4. सत् + चरित स + च् + चरित्र (सच्चरित्र)	4. उत् + झटिका उ + ज् + झटिका (उज्झटिका)	

त् व्यंजन के नियम

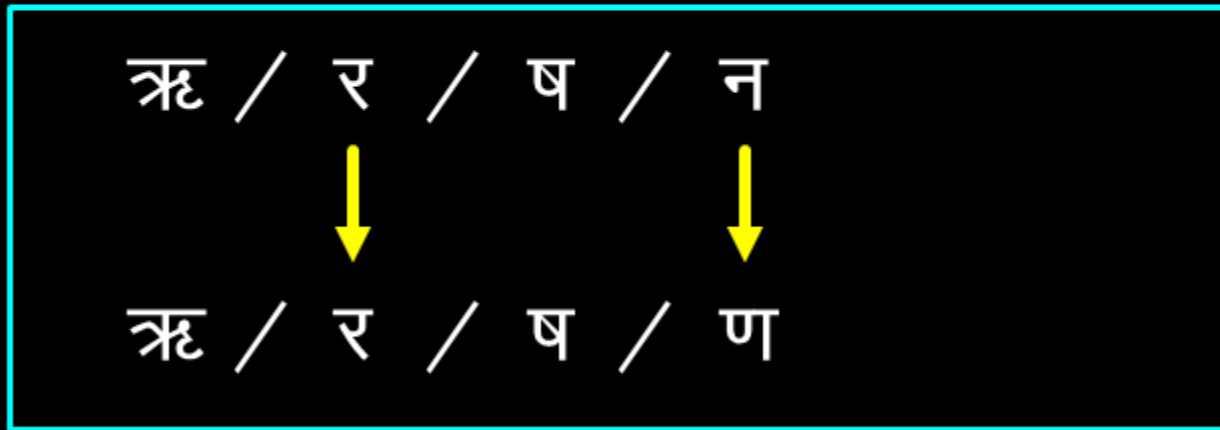
4. नियम त् + ल ल् + ल	5. नियम त् + श् च् + छ	6. नियम त् + ह ढ + ध
1. उत् + लास उ + ल् + लास (उल्लास)	1. उत् + श्वास उ + च् + छ + वास (उच्छवास)	1. तत् + हित त + द + धित (तद्धित)
2. तत् + लीन त + ल् + लीन (तल्लीन)	2. उत् + शिष्ट उच्छिष्ट	2. उत् + हार उ + द + धार (उद्धार)
3. उत् + लेख उ + ल् + लेख (उल्लेख)	3. तत् + शंकर तच्छंकर	3. उत् + हत उ + द + धत (उद्धत)
	4. श्रीमन्त् + शंकर श्रीमच्छंकर	4. उत् + हृत उ + द् + धृ + त (उद्धृत)

नियम :

4. न संबंधी नियम :-

यदि 'ऋ', 'र', 'ष' के बाद न व्यंजन आता है तो न का ण हो जाता है।

Rule :-



1.

परि + नाम

2.

प्र + मान

3.

मर + न

4.

शोष् + अन

नियम :

5. 'स' संबंधी नियम :-

यदि 'स' से पहले अ, आ से भिन्न स्वर हो तो 'स' का ष हो जाता है।

स्वर	+	स
(अ, आ को छोड़कर)		↓
		ष

1.

वि + सम

2.

वि + साद

3.

सु + समा

6. 'म' संबंधी नियम :-

- (i) म का मेल 'क' से 'म' तक के किसी भी व्यंजन वर्ग से होने पर म् उसी वर्ग का पंचमाक्षर में बदल जाएगा।

प्रथम शब्द द्वितीय शब्द

म् + फ - म्

ड / ज / ण् / न् / म्

1.

सम् + कलन

2.

सम् + चय

3.

सम् + गति

4.

परम् + तु

5.

सम् + पूर्ण

- (ii) म् का मेल यदि य, र, ल, व, श, ष, स, ह से हो तो 'म' सदैव अनुसवार होता है।

म् + अन्तःस्थ / उष्म



अं (अनुसार)

1.

सम् + रक्षक

2.

सम् + योग

3.

सम् + लाप

4.

सम् + शय

5.

सम् + सार

6.

सम् + हार

(iii) म् के बाद 'म' आने पर कोई परिवर्तन नहीं होता है।

$$\text{म} + \text{म} = \text{X}$$

1.

सम् + मान

2.

सम् + मति

विसर्ग संधि :- विसर्ग के बाद स्वर या व्यंजन आने पर विसर्ग में जो परिवर्तन आता है, उसे विसर्ग संधि कहते हैं।

नियम 1 : ओ विसर्ग का 'ओ' में परिवर्तन :- नमः + कार = नमस्कार विसर्ग से पूर्व यदि 'अ' हो और बाद में अ अ या किसी वर्ग का तीसरा, चौथा, पाँचवां वर्ण, या, य, र, ल, व, ह हो तो विसर्ग (:) का रूपांतरण 'ओ' में हो जाता है।

Rule

अ : + अ / तीसरा / चौथा / पाँचवा / अन्तस्थ / +ह
↓ ↘
'अ + ओ' + तीसरा / चौथा / पाँचवा / अन्तस्थ / +ह

1.

मनः + अनुकूल

2.

मनः + रथ

3.

तपः + बल

4.

तपः + भूमि

5.

पयः + धन

6.

मनः + योग

7.

अधः + गति

8.

वयः + वृद्धि

9.

पयः + द

10.

मन + हर

अपवाद :-

यदि पुनः एवं अतः का मेल अ/तीसरा/चौथा/पाँचवां वर्ण या अतस्थ + ह से हो तो वह विसर्ग 'ओ' न होकर र् होगा।

1.

पुनः + मुद्रण

2.

पुनः + जन्म

3.

अंत + धान

4.

अंत + अग्नि

2. विसर्ग (:) का 'र्' हो जाता है।

यदि विसर्ग के पहले 'अ' 'आ' को छोड़कर कोई दूसरा स्वर होऔर बाद में 'आ' 'उ' 'ऊ' या तीसरा चौथा, पाँचवाँ वर्ण या य, र, ल, व में से कोई हो तो वो विसर्ग का 'र्' हो जाता है।

अ / आ को छोड़कर अन्य स्वर : + अ / उ / ऊ / तीसरा / चौथा / पाँचवा / अन्तस्थ
अ / आ को छोड़कर अन्य स्वर + र अ / उ / ऊ / तीसरा / चौथा / पाँचवा / अन्तस्थ

1.

निः + आशा

2.

निः + धन

3.

निः + बल

4.

निः + जन

5.

आशीः + वाद

6.

दुः + बल

7.

दुः + जन

8.

निः + धारण

9.

दुः + उपयोग

10.

दुः + ऊह

11.

बहिः + मुख

3. विसर्ग (:) का 'श्' हो जाता है।

यदि विसर्ग के पहले कोई स्वर हो और बाद में च, छ या श हो तो विसर्ग का 'श्' हो जाता है।

स्वर	:	+ च / छ / श
	↓	
स्वर	श्	+ च / छ / श

1.

निः + चिंत

2.

निः + छल

3.

दुः + शासन

3.

दुः + चरित्र

4. विसर्ग (:) का 'ष्' हो जाता है।

यदि विसर्ग के पहले 'इ' 'उ' और बाद में 'क' 'ख' 'ट' 'ठ' 'प' 'फ' में से कोई वर्ण हो तो विसर्ग का ष् हो जाता है।

इ/उ + : + क/ख/ट/ठ/प/फ



इ/उ + ष् + क/ख/ट/ठ/प/फ

1.

निः + कपट

2.

निः + कंटक

3.

धनु + टंकार

4.

निः + दुर

5.

निः + प्राण

6.

निः + फल

BILINGUAL



WARRIOR 3.0

CISF Constable Fireman 2022

Complete Batch

Starts Nov 8, 2022

9 AM to 6 PM

BILINGUAL



LAKSHYA 3.0

BSF Head Constable 2022

Complete Batch

Starts Nov 8, 2022

9 AM to 6 PM

Thank You



LIKE



SHARE



SUBSCRIBE

